सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 36
09/01/2019

हरदा रोग से फसल का बचाव

पटना, 09 जनवरी 2019 :– कृषि विभाग से प्राप्त सूचनानुसार वर्तमान मौसम में जहाँ तापमान बहुत तेजी से नीचे गिर रहा हो वैसी स्थिति में चना, मटर, मसूर तथा गेहूँ में हरदा रोग के आक्रमण की सम्भावना बनी रहती है। फरवरी माह तक इस रोग का प्रकोप हो सकता है। वर्षा के उपरान्त वायुमंडल का तापमान गिरने से इस रोग के आक्रमण एवं प्रसार बढ़ने की सम्भावना अधिक बन जाती हैं।

चना के पौधों (पत्तियों तथा टहनिया) एवं फलियों पर गोलाकार प्यालीनुमा सफेद भूरे रंग के फफोले बनते हैं। ये फफोलेबाद में काले हो जाते है। मसूर में भी इसी प्रकार के फफोले बनते हैं जो अंत में पौधे को सुखा देते हैं। मटर में इसी प्रकार के फफोले बनकर तना को विकृत कर देते हैं, तथा अन्त में पौधा सूख जाता है।

हरदा रोग पौधों में हर वर्ष नहीं होता है परन्तु पौधों में इस रोग के आक्रमण के बारे में तब पता चलता है जब फफूँद प्रजननावस्था में आ जाता है। इसलिए आक्रान्त अवस्था में छिड़काव लाभपद्र नहीं हो पाता है। इस रोग के लिए अनुकूल वातावरण बनते ही सुरक्षात्मक उपाय करना समझदारी भरा कदम होगा।

खडी फसल में फफूँद के उपर्युक्त वातावरण बनते ही मैंकोजेब 75% घु0चूर्ण का 2 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर या, कार्बेन्डाजिम तथा मैन्कोजेब संयुक्त उत्पाद का 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करनी चाहिए।

*****